त्योहारी सीजन से पहले कनफेक्शनरी, स्वीट्स महंगे होंगे!

CPI में चीनी और कनफेक्शनरी का वेटेज 1.36% और फूड इंडेक्स में 3.49% है

ईटी ब्यूरो | नई दिल्ली

त्योहारी सीजन से पहले कनफेक्शनरी आइटम्स और मिठाइयों के दाम बढ़ सकते हैं। चीनी और कनफेक्शनरी सेक्टर में फरवरी के बाद पिछले छह महीने से लगातार महंगाई का जोर बना हुआ है। इसकी वजह गन्ना उत्पादक जिलों में सूखे जैसी हालत बनने के चलते वहां चीनी के प्रॉडक्शन में आई तेज गिरावट बताई जा रही है। इसके चलते फरवरी में चीनी और उससे बनने वाले सामान के रिटेल दाम सिर्फ 0.5% बढ़े थे, लेकिन जुलाई में बढ़ोतरी दर बढ़कर 21.9 पर्सेंट हो गई।

कैंडी, सॉस, जैम, जेली और आइसक्रीम जैसे कनफेक्शनरी आइटम्स के दाम में बढ़ोतरी हो सकती है

चीनी के कम प्रॉडक्शन का असर कैंडी, सॉस, जैम, जेली और आइसक्रीम जैसे कनफेक्शनरी आइटम्स के दाम में बढ़ोतरी के रूप में दिख सकता है। क्रीमिका फूड इंडस्ट्रीज के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर अक्षय बेक्टर के मुताबिक, 'सितंबर-अक्टूबर में फेस्टिव सीजन के दौरान कनफेक्शनरी के दाम में तेजी आ सकती है। चीनी 38-39 रुपये पर चल रही है। दिवाली के बाद दाम में कमी आ सकती है।'

दिग्गज आइसक्रीम कंपनी वाडीलाल इंडस्ट्रीज के मैनेजिंग डायरेक्टर राजेश गांधी को लगता है कि इंडस्ट्री में करेक्शन फरवरी-मार्च में ही आएगा। उन्होंने कहा, 'हम स्किम्ड मिल्क पाउडर, ड्राई फ्रुट और चॉकलेट के दाम सहित बहुत से कंपोनेंट पर गौर कर रहे हैं। चीनी अहम कंपोनेंट है और हमें लगता है कि इसके दाम बढ़ेंगे क्योंकि इस साल गन्ने की बुआई कम हुई है।' कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स में चीनी और कनफेक्शनरी का वेटेज 1.36 पर्सेंट और फूड इंडेक्स में 3.49 पर्सेंट है। इन दोनों में पिछले छह महीने में दाल के बाद सबसे महंगाई इन दोनों में आई है। इस कैटेगरी में चीनी, गुड़, शहद, कैंडीज, सॉस, जैम, जेली और आइसक्रीम आती है।

बीकानेरवाला फूड्स प्राइवेट लिमिटेड के एग्जिक्यूटिव डायरेक्टर मनीष अग्रवाल के मुताबिक चीनी, दाल और तिलहन के दाम हो रही बढ़ोतरी से कंपनी को अपने प्रॉडक्ट्स के दाम में मामूली बढ़ोतरी करनी पड़ी है। इसके अलावा स्नैक्टस से लेकर स्वीट्स तक कई प्रॉडक्ट्स की मात्रा घटानी पड़ी है। उन्होंने कहा, 'हम दिवाली की तैयारी में लगे हैं और हमें नहीं लगता कि दाम में तुरंत कोई बड़ी गिरावट आने जा रही है।'

कोटक महिंद्रा बैंक की सीनियर इकनॉमिस्ट उपासना भारद्वाज ने कहा, 'फेस्टिव सीजन में प्रॉडक्ट्स के दाम बढ़ते हैं। कंपनियां फेस्टिव डिमांड को देखते हुए दाम बढ़ा सकती हैं। इस मामले में वे अपनी प्राइसिंग पावर दिखा सकती हैं।' इंडस्ट्री के जानकारों का कहना है कि फसल की अच्छी स्थिति को देखते हुए चीनी के दाम में स्थिरता रह सकती है।

महाराष्ट्र में चीनी का एक्स मिल प्राइस 33.50 रुपये और उत्तर प्रदेश में 35.50 रुपये प्रति किलो चल रहा है। इंडियन शुगर मिल्स एसोसिएशन (ISMA) के डायरेक्टर जनरल अबिनाश वर्मा के मुताबिक, देश में चीनी की कीमत 34.50 रुपये प्रति किलो है। 2014-15 में चीनी इसी लेवल पर था। वर्मा ने कहा, 'चीनी के दाम स्थिर बने रहेंगे क्योंकि देश और मार्केट में पर्याप्त चीनी है।'